an>

title: Need to promote labour-oriented indigenous technology to enhance employment opportunities in the country.

श्री राम कुमार शर्मा (सीतामढ़ी) ः देश में उदारवादी आर्थिक नीति के लागू होने के बाद से देश का आर्थिक विकास तेजी से हुआ है पर यह सुना जाता है कि भारत विश्व के अरबपतियों की सूची में आज 12वें पायदान पर है किन्तु विश्व बैंक की रिपोर्ट से प्रकाश में आया है कि एडवान्स टेक्नोलोजी के कारण हुए आटोमेशन के फलस्वरूप भारत में 69 प्रतिशत रोजगार के अवसर गत पीढ़ी से अभी तक संकटग्रस्त हो चुके हैं। एक माह पूर्व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गर्वनर रघुराम राजन ने भी भारत में इसी आशय का बयान दिया था। प्रसिद्ध उद्योगपति श्री राहुल बजाज ने भी स्वीकार किया है कि जिस प्रकार से देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोत्तरी हो रही है, रोजगार के अवसर उस स्तर पर नहीं बढ़ रहे हैं। इंटर नेशनल लेबर ऑर्गनाइशन के प्रमुख ने भी भारत में विकास की दर से समान नये रोजगार के अवसर न पैदा होने पर चिन्ता जाहिर की है। भारत जनसंख्या बाहुल्य देश है। यहां रोजगार के अवसर देकर ही सबके विकास की कल्पना साकार हो सकती है।

देश में रोजगार के अवसर न बढ़े यह चिन्ता की बात है। रोजगार के अवसर कम होने से बेरोजगारी बढ़ेगी, गरीबी बढ़ेगी यह साफ है। अतः जरूरत है कि देश में विदेशी पूंजी भले ही आये किन्तु विदेशी मशीनीकरण को निरूत्साहित कर, श्रम प्रधान स्वदेशी तकनीक को ही देश में लागू किया जाए जिससे रोजगार के अवसर बढ़े, बेरोजगारी दूर हो और गरीबी मिटे।